MR. SPEAKER: Do you think that after the Speaker says that he should discontinue, if he continues, what he says should go on record?

SHRI PILOO MODY: You can ask the member to leave. You have all the powers. You can shut down Parliament. You can reopen Parliament. You can stop people. But I do not think you should tamper with the record.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I refer to rule 356.

MR. SPEAKER: What are you doing? These are the accepted rules.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Where are your powers?

> "The Speaker, after having called the attention of the House to the conduct of a member who persists in irrelevance or in tedious repetition either of his own arguments or of the arguments used by other members in debate, may direct him to discontinue his speech".

Where is your power to expunge what he has already said?

MR. SPEAKER: If any member who is not called or who is asked to discontinue, goes on speaking, it does not go on record.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: Where is it mentioned?

MR. SPEAKER: Seeing how they behave sometimes, if I say that he should discontinue and still he goes on saying what he likes, there is no power in the hands of the Chair?

Now Call attention motion.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: *rose*—

MR. SPEAKER: I am sorry. I expected a much better understanding from him.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA: My submission is this. Your power to ask a member to discontinue is not synonymous with your power to expunge the proceedings.

MR. SPEAKER: Only the observation of the member who speaks with my permission will go on record. A member should speak with the permission of the Speaker. I tell you this finally.

SHRI PILOO MODY: I am now seeking your permission.

MR. SPEAKER: You are holding the House to ransom.

SHRI HARI KISHORE SINGH (Pupri): I fully appreciate the concern of Mr. Jyotirmoy Bosu and Mr. Kachwai.

MR. SPEAKER: You have no permission to speak. (*Interruption*) I am sorry I do not allow anybody. I am moving on to the next item.

श्री हुकम चन्द कछवाय (मुरेना): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अनुमति दी थी। आप ही की अनुमति से मैंने सवाल पूछा था। मन्त्री महोदय ने जो जवाब दिया उस पर मैंने सवाल पूछा था। अभी मन्त्री जी ने कहा कि छोटी कार बनाने का इरादा हमने कैंसिल कर दिया है। तो फिर प्रधान मन्त्री के पुत्र को जो लाइसेंस दिया गया, जिसके लिये 300 एकड़ भूमि गुड़गाव में खरीदी है

अध्यक्ष महोदय: आप बैठ जाइये। मैंने आपको इजाजत नही दी है।

12.22 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED BURNING ALIVE OF TEN HARIJANS IN MACHHARIYA VILLAGE OF MORADABAD DISTRICT IN U. P.

SHRI HARI SINGH (Khurja): I call the attention of the Minister of Home Affairs to the following matter of urgent public importance and request that he may make a statement thereon:

> 'Reported recent incident of burning alive of ten Harijan women and children in Machhariya village of Moradabad District in U. P.'

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA (Dausa): Sir, before the Minister makes his statement, may I submit that the statement is not complete. The Government says that they are collecting the information. My submission is that the statement may be deferred to a future date.

MR. SPEAKER : Let me listen to the statement by the Minister first.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (Gwalior) : What he said cannot form part of the record.

MR. SPEAKER : He said it was a point of order. So, I allowed.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : No, Sir.

अध्यक्ष महोदय : मेरा यह तजुर्बा है कि जितना छोटा अपोजीशन हो उतना ही नौइजी होना है। आप लोगों को थोड़ा बहुत सोचना चाहिये। आप भी लीडर है, स्पीकर से झगड़ा करते अच्छा नहीं लगता। आप जरा सोचें कि इस तरह कैसे काम चलेगा।

श्री श्यामनन्दन मिश्र (बेगुसराय) : वह दास्तान अब बन्द कीजिये।

अध्यक्ष महोदय : दास्तान आप भी नहीं छोड़ते, मैं भी नहीं छोड़ता। (**व्यवधान**) माननीय बसु जी, आप महारथी आदमी है अन्दर आकर पता नहीं क्या हो जाता है।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND IN THE DEPARTMENT OF PERSONNEL (SHRI RAM NIWAS MIRDHA): Sir, Government have seen press reports regarding this matter. Inquiries were made from the Government of Uttar Pradesh. The State Government have no information so far of any such occurrence. They are making further inquiries in this regard. A statement will be laid on the Table of the House on receipt of a report from the State Government.

श्री बी० पी० मौर्य (हापुड़) : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। यह जो वक्तव्य दिया है गृह मन्त्री जी ने अभी, यह कोई वक्तव्य नहीं है। यह वाकया आज से करीब डेढ़ हफ्ता पहले हुआ बताया जाता है। बल्कि 15 दिन पहले हुआ बताया जाता है।

श्री हुकम चन्द कछवाय (मुरेना) : एक महीना सात दिन पहले हुआ है।

श्री बी० पी० मौर्य : न गृह मन्त्रालय को इसका कोई ज्ञान है और न उत्तर प्रदेश के मुख्य-मन्त्री को जो 9 करोड़ के राजा कहे जाते हैं। कालिंग अटेंशन स्वीकार करने से पहले गृह मन्त्रालय को पहले जानकारी कर लेनी चाहिये थी। और अगर जानकारी नहीं की गयी थी तो इसके लिये समय ले लेना चाहिये था। कालिंग अटेंशन के प्रश्न को इस तरह से समाप्त कर देना कि जब कभी जानकारी आयेगी तो उसे सदन के पटल पर रख दिया जायेगा यह भविष्य के लिये बहुत ही गलत बात है।

अध्यक्ष महोदय : जो काल अटेंशन मोशन होते है, एक दिन पहले आते है। और एक नही बल्कि पचास, पचास होते है। उनमे से एक सिलेक्ट होकर शाम तक मिनिस्टर के पास पहुच पाता है। मिनिस्टर के पास थोड़ा समय होता है...

श्री नरसिंह नारायण पांडे (गोरखपुर) : अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश विधान सभा में इसी इश्यू पर बहस हो चुकी है।

अध्यक्ष महोदय : आप भी मेरी इजाजत के बगैर बोल रहे है। सारा ही ताना बिगड़ा हुआ है, स्पीकर को भी बिगाड़ रहे है। अगर आप चाहे तो इसको पोस्टपोन कर दें। Let it be postponed for sometime, let the reply come.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी इसे कल के लिये टाल दीजिये।

श्री हरी सिंह : अध्यक्ष जी, अभी मंत्री जी का वक्तव्य पूरा नहीं हो पाया है लिहाजा जब पूरी सूचना आ जाय तब इसको रखा जाय।

अध्यक्ष महोदय : पांच, सात दिन बाद रख दें।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : पाच, सात दिन बहुत होते है। लखनऊ पास है, मुरादाबाद उससे भी पास है। क्या एक दिन में सूचना प्राप्त नहीं कर सकते ?

अध्यक्ष महोदय : सूचना इकट्ठी करने की

[अध्यक्ष महोदय]

बात नहीं है, उनको भी पूरी जानकारी नहीं है। जो यह सूचना दे रहे हैं वही दे रहे हैं जो वह दे रहे हैं। मेरे खयाल में पांच, सात दिन देख लीजिये, उसके बाद इसको रख लेंगे। अगर वहां से कुछ आयेगा ही नहीं तो आपको क्या फायदा होगा। अगर आप चाहते हैं कि अभी कर लें, और कल या परसों फिर यही बात आनी है कि सूचना नहीं आयी है तो किसी और के कौलिंग अटेंशन मोशन का मौका खत्म कर देंगे।

श्री बी० पी० मौर्य : सोमवार के लिये रख दें।

श्री सरजू पांडे (गाजीपुर) : श्रीमन्, मुरादाबाद यहां से दूर नहीं है। गृह मन्त्री जी वहां के डी० एम० और एस० पी० से टेलीफोन करके सही स्थिति का पता लगा सकते हैं। इसलिये इस पर सवाल करने दीजिये और फर्दर सूचना बाद में दे दी जायेगी।

MR. SPEAKER : Those who have given the names on the call attention motion, please give them a chance. I think this should be postponed to.

SHRI B. P. MAURYA : To Monday.

MR. SPEAKER : Monday or Tuesday, after the information comes. If the information comes earlier, I shall fix it up earlier, but not before that.

श्री सरजू पांडे : अध्यक्ष जी, शुक्रवार को कर लीजिये। सोमवार तक बहुत देर हो जायगी।

अध्यक्ष महोदय : फ्यूचर डेट के लिये इसको पोस्टपोन कर दिया गया। (**व्यवधान**) मैं यह कह रहा हूं कि अगर सूचना आ गयी तो शुक्रवार को रख देंगे। और अगर नहीं आयी तो फिर अगले सप्ताह में रख देंगे। अगर आप इसको जल्दी ही रखेंगे और तब तक सूचना नहीं आयी तो किसी और मेम्बर का कॉल ऐडजर्नमेंट मोशन का चला जायगा।

श्री इसहाक सम्भली (अमरोहा) : अध्यक्ष महोदय, यह मेरी कांस्टीट्यूएंसी का मामला है। मुरादाबाद यहां से 100 मील दूर ही है, वहां डी० एम० और एस० पी० दोनों ही मौजूद हैं, मेरी समझ में नहीं आता कि जानकारी हासिल करने में इतना वक्त क्यों लग रहा है। यह सूचना अगर यह चाहते तो मिनिस्ट्री के बजाय डायरेक्ट कलेक्टर से हासिल कर सकते थे। यू० पी० के होम मिनिस्टर को कह सकते थे कि वह कलेक्टर से पूछ कर इनको बतायें।

अगर चाहें तो वह फौरन फोन पर कलेक्टर से पूछ कर उनको बता सकते हैं। स्पीकर साहब, इससे पता चलता है कि कितनी लापरवाही खुद स्टेट गवर्नमेंट के निजाम में है। मुझे तो शक है कि आयन्दा भी कोई इस तरह से पूरी इनफौरमेशन आयेगी।

[شری اسحاق سنبھلی (امروهه) : ادھیکش مہودیہ- یہ میری کانسٹیٹیوئنسی کا معاملہ ھے- مرادآباد یہاں سے ۱۰۰ میل دور ھی ھے، وھاں ڈی- ایم اور ایس- پی دونوں ھی موجود ھیں، میری سمجھ میں نہیں آتا کہ جانکاری حاصل کرنے میں اتنا وقت کیوں لگ رھا ھے- یہ سوچنا اگر یہ چاھتے تو منسٹری کے بجائے ڈایریکٹ کلکٹر سے حاصل کرسکتے تھے- یو- پی کے ھوم منسٹر کو کہہ سکتے تھے کہ وہ کلکٹر سے پوچھہ کر انکو بتائیں-

اگر چاھیں تو وہ فوراً فون پر کلکٹر سے پوچھہ کر انکو بتا سکتے ھیں- اسپیکر صاحب- اس سے پتہ چلتا ھے کہ کتنی لاپرواھی خود اسٹیٹ گورنمینٹ کے نظام میں ھے- مجھے تو شک ھے کہ آئندہ بھی کوئی اس طرح سے پوری انفارمیشن آئیگی-]

12.30 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

STATEMENT *re* INTRODUCTION OF PIN CODE FOR DELIVERY OF LETTERS AND NOTIFICATIONS UNDER INDIAN TELEGRAPH ACT

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI H. N. BAHUGUNA) : I beg